Kanha Ka Birthday Aa Gaya Bhajan Lyrics in Hindi English

Kanha Ka Birthday Aa Gaya Bhajan Lyrics in Hindi

कान्हा का बर्थ डे आ गया,
सब नचदे है सब नचदे,
हर दिल में आनन्द छा गया,
सब नचदे है सब नचदे,
दिखे सुन्दर खुब नजारा,
कैसे झुम उठा जग सारा,
मस्ती में श्याम की खो गया,
मस्ती में श्याम की खो गया,
सब नचदे है सब नचदे,
कान्हा का बर्थ डे आ गया,
सब नचदे है सब नचदे।।

गोकुल में शौर है भारी,
खुश करना है गिरिधारी,
ढौलक संग मुरली बाजे,
और सज गई नगरी सारी,
भगतो के दिल को भा गया,
सब नचदे है सब नचदे,
कान्हा का बर्थ डे आ गया,
सब नचदे है सब नचदे।।

मेरा कान्हा मुरली वाला,
कैसे चमक रहा है आला,
मोर मुकुट सर साजे,
है गल बैजंती माला,
श्रृंगार मोहन का भा गया,
सब नचदे है सब नचदे,
कान्हा का बर्थ डे आ गया,
सब नचदे है सब नचदे।।

कोई बन कर कान्हा देखो,
राधा संग रास रचाए,
कोई पेड़ के पिछे छुपके,
गोपीन के वश्त्र चुराए,
उसका बचपन याद आ गया,
सब नचदे है सब नचदे,
कान्हा का बर्थ डे आ गया,
सब नचदे है सब नचदे।।

जो मन से इन को ध्याता,
खुल जाता क़िस्मत ताला,
छोरा गांव निठौरा रहता,
गाएं भजन नाचने वाला,
दुनिया में 'सुरेन्द्र' छा गया,
सब नचदे है सब नचदे,
कान्हा का बर्थ डे आ गया,
सब नचदे है सब नचदे।।

कान्हा का बर्थ डे आ गया,
सब नचदे है सब नचदे,
हर दिल में आनन्द छा गया,
सब नचदे है सब नचदे,
दिखे सुन्दर खुब नजारा,
कैसे झुम उठा जग सारा,
मस्ती में श्याम की खो गया,
मस्ती में श्याम की खो गया,
सब नचदे है सब नचदे,
कान्हा का बर्थ डे आ गया,
सब नचदे है सब नचदे।।

Kanha Ka Birthday Aa Gaya Bhajan Lyrics in English

Kanha ka birthday aa gaya,
Sab nachde hain sab nachde,
Har dil mein aanand chha gaya,
Sab nachde hain sab nachde,
Dikhe sundar khoob nazara,

Kaise jhoom utha jag saara,
Masti mein Shyam ki kho gaya,
Masti mein Shyam ki kho gaya,
Sab nachde hain sab nachde,
Kanha ka birthday aa gaya,
Sab nachde hain sab nachde.

Gokul mein shor hai bhaari,
Khush karna hai Giridhari,
Dholak sang murli baaje,
Aur saj gayi nagri saari,
Bhakto ke dil ko bhaa gaya,
Sab nachde hain sab nachde,
Kanha ka birthday aa gaya,
Sab nachde hain sab nachde.

Mera Kanha murli waala,
Kaise chamak raha hai aala,
Mor mukut sar saaje,
Hai gal baijanti maala,
Shringar Mohan ka bha gaya,
Sab nachde hain sab nachde,
Kanha ka birthday aa gaya,
Sab nachde hain sab nachde.

Koi ban kar Kanha dekho,
Radha sang raas rachaye,
Koi ped ke piche chhupke,
Gopiyan ke vastra churaaye,
Uska bachpan yaad aa gaya,
Sab nachde hain sab nachde,
Kanha ka birthday aa gaya,
Sab nachde hain sab nachde.

Jo mann se inko dhyaata,
Khul jaata kismat taala,
Chhora gaon nithora rehta,
Gaaye bhajan naachne waala,

Duniya mein ‘Surendra’ chha gaya,
Sab nachde hain sab nachde,
Kanha ka birthday aa gaya,
Sab nachde hain sab nachde.

Kanha ka birthday aa gaya,
Sab nachde hain sab nachde,
Har dil mein aanand chha gaya,
Sab nachde hain sab nachde,
Dikhe sundar khoob nazara,
Kaise jhoom utha jag saara,
Masti mein Shyam ki kho gaya,
Masti mein Shyam ki kho gaya,
Sab nachde hain sab nachde,
Kanha ka birthday aa gaya,
Sab nachde hain sab nachde.

About Kanha Ka Birthday Aa Gaya in English

This bhajan celebrates the joyous occasion of Lord Krishna’s birthday, with devotees expressing their excitement and devotion through dance and song. It describes the vibrant celebrations in Gokul, with the sounds of the dholak and flute filling the air as the entire town rejoices in the divine presence of Lord Krishna. The lyrics highlight the beauty of Krishna’s adornments, such as his peacock feather crown and garland of flowers. The bhajan also recalls Krishna’s mischievous childhood, where he would steal the clothes of the Gopis and play pranks. It expresses how anyone who remembers and prays to Krishna with devotion will have their fortunes changed and blessings poured into their lives.

About Kanha Ka Birthday Aa Gaya in Hindi

यह भजन भगवान श्री कृष्ण के जन्मदिन के उल्लासपूर्ण अवसर का उत्सव है, जिसमें भक्त अपनी खुशी और भक्ति को नृत्य और गीत के माध्यम से व्यक्त करते हैं। इसमें गोकुल में हो रहे उत्सव का वर्णन किया गया है, जहाँ ढोलक और बांसुरी की आवाजें वातावरण में गूंज रही हैं और पूरा नगर भगवान श्री कृष्ण की दिव्य उपस्थिति में आनंदित हो रहा है। भजन में भगवान कृष्ण के सुंदर श्रृंगार, जैसे मोर मुकुट और बैजंती माला का उल्लेख किया गया है। यह भजन भगवान श्री कृष्ण के बचपन की शरारतों को याद करता है, जैसे गोपियों के वस्त्र

चुराना और उनसे खेल खेलना। यह बताता है कि जो भी सच्चे मन से श्री कृष्ण का ध्यान और भक्ति करता है, उसकी किस्मत खुल जाती है और उसके जीवन में आशीर्वाद भर जाते हैं।